

## B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-XI

(Vedic Literature)

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। 2×10=20
- নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।
- (a) 'तं त्वा गीर्भिर्गिर्वणसं द्रविणस्युं द्रविणोदः'— मन्त्रांशमिदं कस्मिन् सूक्ते वर्तते? अत्र 'द्रविणोदः' शब्दस्य कोऽर्थः? 'तं त्वा गीर्भिर्गिर्वणसं द्रविणस्युं द्रविणोदः'— मन्त्रांशमिदं कस्मिन् सूक्ते वर्तते? अत्र 'द्रविणोदः' शब्दस्य कोऽर्थः कः?
- (b) पाठ्यांशस्थं किं सूक्तं 'सजनीय-सूक्तमिति' कथ्यते? सूक्तस्यास्य कः मन्त्रद्रष्टा? पाठ्यांशस्थं किं सूक्तं 'सजनीय सूक्त' बला ह्य? उक्त सूक्ते मन्त्रद्रष्टा के?
- (c) 'स बोधिं सुरिर्मघवा \_\_\_\_\_' — शून्यस्थानं पूरयत।  
'स बोधिं सुरिर्मघवा \_\_\_\_\_' — शून्यस्थानं पूरण करो।
- (d) 'शघ्नीव' इति पदं कं देवमुद्दिश्य कथ्यते? पाठ्यांशानुसारेण तस्य देवस्य अपरमेकं विशेषणं लिखत।  
'शघ्नीव' शब्दটি কোন দেবতার উদ্দেশ্যে প্রয়োগ করা হয়েছে? পাঠ্যাংশ অবলম্বনে উক্ত দেবতার অন্য একটি বিশেষণ উল্লেখ করো।
- (e) 'स्त्रियं दृष्ट्वाয় কিত্বং ততাপ' — কঃ পরিতাপং করতি? কিং বা পরিতাপস্য কারণম্?  
'স্ত্রিয়ং দৃষ্ট্বেয়ং কিত্বং ততাপ' — কে পরিতাপ করে? তার পরিতাপের কারণ কী?
- (f) 'রাজা চিদেভ্যো নম্ ইত্ কৃণোতি' — অত্র কঃ রাজা? 'এভ্যঃ' ইতি পদেন কিং লক্ষ্যতে?  
'রাজা চিদেভ্যো নম্ ইৎ কৃণোতি' — এখানে রাজা কে? 'এভ্যঃ' বলতে কাদের বোঝানো হয়েছে?
- (g) 'ন কর্ম লিপ্যতে নরে' — মন্ত্রাংশস্য কিং তাৎপর্যম্?  
'ন কর্ম লিপ্যতে নরে' — মন্ত্রাংশটির তাৎপর্য কী?
- (h) দেবী-সূক্তে 'অহম্' ইতি পদেন কা লক্ষ্যতে? কিমত্র তস্যাঃ পরিচয়ঃ?  
দেবী সূক্তে 'অহম্' শব্দের দ্বারা কাকে উপস্থাপিত করা হয়েছে? এখানে তাঁর পরিচয় কী?
- (i) ईशोपनिषद् कथं 'वाजसनेयसंहितोपनिषद्' इति कथ्यते?  
ঈশোপনিষৎ-কে বাজসনেয়সংহিতোপনিষৎ বলা হয় কেন?

- (j) 'पर्यागाच्छुक्रम्' इति कस्य विशेषणम्? 'शुक्रम्' पदस्य कोऽर्थः?  
 'पर्यागाच्छुक्रम्' कार विशेषणरूपे प्रयुक्त करा হয়েছে? 'শুক্রম্' পদটির অর্থ কী?
- (k) प्रातरनुवाकम् नाम् किम्?  
 প্রাতরনুবাক্ কী?
- (l) अवग्रहस्य संकेतं प्रदेयम् — 'उदाजत्', 'अपधा'।  
 অবগ্রহের চিহ্ন দাও — 'উদাজৎ', 'অপধা'।
- (m) विनियोगः इति पदेन किं बुध्यते? विनियोगः कतिविधः? काश्च ते?  
 বিনিয়োগ বলতে কী বোঝা? বিনিয়োগ কয় প্রকার এবং কী কী?
- (n) वैदिक लोट्-लकारस्य उदाहरणद्वयं लिखत।  
 বৈদিক লোট্ লকারের দুটি উদাহরণ লেখো।
- (o) उदात्तस्य किं लक्षणम्?  
 উদাত্তের লক্ষণ কী?
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र द्वयोः उत्तरं सुरगिरा समाधीयताम्। 5x4=20  
 नीचेर प्रश्नগুলির যেকোনো চারটির উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দাও।
- (a) द्यावाँ चिदस्मै पृथिवी नम्रेते  
 शुष्मान्चिदस्य पर्वता भयन्ते।  
 यः सोमपा निचिंतो वज्रवाहु-  
 र्यो वज्रहस्तः स जनासु इन्द्रः॥  
 — इति मन्त्रस्य कोष्ठकेषु वैदिक शब्दं प्रदाय बङ्गभाषया अनुवादः करणीयः।  
 — বঙ্গবীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ করো।
- (b) अहं रूद्राय धनुरातनोमि  
 ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा उं।  
 अहं जनाय समर्दं कृणो-  
 मह्यं द्यावापृथिवी आविवेश॥  
 — इति मन्त्रस्य कोष्ठकेषु वैदिक शब्दं प्रदाय बङ्गभाषया अनुवादः करणीयः।  
 — বঙ্গবীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ করো।
- (c) उपरिलिखितयोः (a) तथा (b)-स्थितयोः मन्त्रयोः कस्यचिदेकस्य सस्वरं पदपाठः प्रदर्शयताम्।  
 উপরে (a) এবং (b) প্রশ্নে লেখা মন্ত্রদুটির যেকোনো একটিকে স্বরচিহ্নের পরিবর্তনসহ পদপাঠে লেখ।

- (d) द्वेष्टि श्वश्ररपं जाया रूणद्धि  
न नाथितो विन्दते मर्डितारम्।  
अश्वस्येव जरतो वस्यस्य  
नाहं विन्दामि कितवस्य भोगम्॥

— उपरिस्थस्य मन्त्रस्य ऋषिच्छन्दोदेवतानिर्देशपूर्वकं सायणभाष्योक्तदिशा सुरगिरा व्याख्या कार्या।  
— उपরের মন্ত্রটির ঋষি, ছন্দ ও দেবতা নির্দেশপূর্বক সংস্কৃত ভাষায় সায়ণানুসারী ব্যাখ্যা কর।

- (e) तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः — मन्त्रांशमिदं व्याख्यायत।  
তেন ত্যক্তেন ভুঞ্জীথাঃ — মন্ত্রাংশটি ব্যাখ্যা কর।

- (f) तव पाठ्ये इन्द्रसूक्ते (ऋक् 2/12) इन्द्रकृते प्रयुक्तानि विशेषणानि लिखत।  
তোমার পাঠ্য ইন্দ্রসূক্তে (ঋক্ 2/12) ইন্দ্রকৃতে প্রযুক্ত বিশেষণগুলি লেখো।

3. अधस्तनेषु प्रश्नेषु द्वितयम् आप्तित्य नातिदीर्घो निबन्धो लिखत।

10×2=20

নীচের প্রশ্নসমূহের মধ্যে যেকোনো দুটির নাতিদীর্ঘ প্রবন্ধ রচনা কর।

- (a) ईशोपनिषदि मुक्तौ सम्भूतेः असम्भूतेश्च गुरुत्वम् आलोचयत।  
মুক্তি প্রসঙ্গে ঈশোপনিষদে সম্ভূতি তথা অসম্ভূতির গুরুত্ব আলোচনা কর।
- (b) वैदिक व्याकरणे अ-कारान्तशब्दरूपस्य वैशिष्ट्यमालोचयत।  
বৈদিক ব্যাকরণে অ-কারান্ত শব্দরূপের বৈশিষ্ট্য আলোচনা কর।
- (c) वैदिकदेवतारूपेण अग्नेः वैशिष्ट्यं स्वपाठ्यांशमवलम्ब्य उल्लेख्यं कुरु।  
বৈদিক দেবতারূপে অগ্নির বৈশিষ্ট্য স্বপাঠ্যাংশ অবলম্বনে উল্লেখ কর।
- (d) भूरिस्थानां भूर्याविशयन्तीम् — इति मन्त्रांशमाधारीकृत्य सूक्तस्यास्य दार्शनिकं महत्त्वं प्रतिपादयत।  
भूरिश्वात्रां भूर्यावेशयन्तीम् — এই মন্ত্রাংশের আধারে সূক্তটির দার্শনিক মহত্ত্ব প্রতিপাদন কর।